

नांदगांव टाइम्स

शुक्रवार, 30 अगस्त 2024, राजनांदगांव

आएनआई 30910/76

वर्ष 48, अंक 316, पृष्ठ 04, मूल्य 2 रूपए



11 जय श्री जलाराम 11
श्री जलाराम प्रॉपर्टी डीलर
उचित दर पर मकान, प्लैट, इलेक्ट्रिक, दुकान, ऑफिस, गोदाम, जमीन, प्लॉट की खरीदी-बिक्री हेतु संपर्क करें।
ऑफिस: बामनपुर इस्ट के बाय में, राजकीर्ण मार्ग, राजनांदगांव।
मो: 98274-61508, 83192-88559

प्रदेश में तेजी से बढ़ रही खेल सुविधाएं : विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री की घोषणा : ओलंपिक खेलों में छत्तीसगढ़ के पदक विजेता खिलाड़ियों को मिलेगी एक से तीन करोड़ रूपए की राशि, मुख्यमंत्री के हाथों राज्य खेल अलंकरण समारोह में सम्मानित हुए

स्वर्ण पदक विजेता के लिए 3 करोड़, रजत पदक के लिए 2 करोड़, कांस्य पदक के लिए 1 करोड़ की घोषणा

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय राष्ट्रीय खेल दिवस के पर ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को तीन करोड़ रूपए, रजत पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को दो करोड़ रूपए और कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को एक करोड़ रूपए की पुश्तकार राशि देने की घोषणा की छत्तीसगढ़ पॉलिटेक्निक और खेल उपस्थाय ऑथोरिटी में आयोजित राज्य खेल अलंकरण समारोह में विभाजन खेल विभाग के 502 प्रतिभाजन खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया और उन्हें 01 करोड़ 36 लाख रूपए विवरित की इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री साय ने मुख्यमंत्री ने शहीदों के परिजनों को शान, शोषण घंट कर भी सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम की संबोधित करते हुए कहा कि खेलों के क्षेत्र में सर्वोच्च सम्मान होने के बावजूद भी इस गता की पीढ़ी है कि पिछले पांच सालों में राज्य में राज्य खेल अलंकरण समारोह का आयोजन नहीं हुआ। खिलाड़ियों की पीढ़ी महसूस कर और खेल खेल अलंकरण समारोह



पुनः आयोजित करने का निर्णय लिया गया। पहला अलंकरण समारोह इसी साल 14 मार्च को आयोजित किया गया। खेल दिवस के मौके पर आज पुनः खिलाड़ियों को खेल अलंकरण से सम्मानित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में पेरिस ओलंपिक में नीलम चौपड़, मनु भाकर, सरवजोत सिंह, स्वर्णिम कुसाल, अमन सेहरवाल जैसे खिलाड़ियों ने पदक जीत कर भारत माता का सर बढ़ाया। छत्तीसगढ़ में भी खेल प्रतिभाओं को आगे ले जाने के लिए प्रतिक्रम है। आगामी दिनों में अच्छी ओपेसंरचना तथा प्रशिक्षण के माध्यम से खेल प्रतिभाओं को निखारी ताकि हमारे खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर और भी बड़िया खेल कर अपनी प्रतिभा का झण्डा दुनिया में बुलंद कर सकें। श्री साय ने कहा कि जलपुर तथा रायगढ़ में 105 करोड़ की लागत से इंटरनेट

स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के साथ ही गता रायपुर में 62 करोड़ रूपए की लागत से मल्टीपर्स इंडोर स्टेडियम तथा सिंथेटिक फुटबॉल मैदान विष रनिंग ट्रैक बनना जा रहा है। राज्य करने के बाद पहली बार अक्सरों हॉकी अकादमी रायपुर में इसी साल के अगल महीने में प्रारंभ हुई है। विगत महिने से बालिकाओं के लिए अकादमी फुटबल अकादमी शुरू हो जाणी। इसके साथ ही एथलेटिक अकादमी, बच्चों अकादमी तथा जैतवनी अकादमी का भी संचालन कर रहे हैं। रायपुर में लक्ष्मी बाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान का ऑफ सेंटर भी शुरू किया जाएगा, जो खेलों के क्षेत्र में प्रदेश की बड़ी उपस्थिति होगी। छग, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने कहा कि युवा खिलाड़ियों ने इस सम्मान के लिए बहुत सफल किया है। पूर्ववर्ती सरकार द्वारा इस सम्मान का आयोजन रोक दिया गया था। हमारी सरकार द्वारा पुनः इस खेल अलंकरण सम्मान को शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार राज्य को खेल गतिविधियों के बढ़ाव देने एवं खिलाड़ियों को हर संभव प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिक्रम है। केंद्रीय आवास एवं गृह विभाग राज्य में भी ने कहा कि केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मोदीरवा ने खेलों इंडिया के नये परिसरों के संबंध में तथा खेल ओपेसंरचना को बढ़ावा देने में सहमति व्यक्त की है। प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ में च्छोया प्रोत्साहन योजनाएं आरंभ करने का निर्णय लिया गया है। इस योजना से खेल क्षेत्रों के उपवन के साथ ही खिलाड़ियों के लिए अन्य स्तरीय खेल उपकरणों की व्यवस्था, खेल



प्रतिभाओं की खोज, खेल क्लबों को आर्थिक सहायता तथा पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करेंगे। खेलों इंडिया योजना के अंतर्गत रायपुर और बिलासपुर में मल्टीपर्स हॉल तथा बलीदानबाजार में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण कराया गया है। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि राज्य में खेल और खिलाड़ियों के लिए अनुकूल वातावरण बनना जा रहा है। सरकार ने एक ही वर्ष में प्रतिभाजन खिलाड़ियों को सम्मानित और अलंकृत करने खेल अलंकरण समारोह का दो बार आयोजन किया है। खेल ओपेसंरचना का निर्माण, आवासीय खेल अकादमी और खेलों इंडिया सेंटर की स्थापना से राज्य में खेल और खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिल सकेंगे। खेल प्रशिक्षकों की नियुक्ति के साथ-साथ खेल विभाग में रिक्त पदों की भर्ती की जाएगी। कार्यक्रम को सांसद श्री

बुधमोहन अग्रवाल ने भी सम्बोधित किया। ज्ञातव्य है कि वर्ष 2021-22 के लिए शहीद राजीव गांधे पुरस्कार के लिए 06, शहीद कोशल वादन पुरस्कार के लिए 06, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार के लिए 02, शहीद अंकुश विक्रम सम्मान 11, शहीद विनोद चौधे सम्मान के लिए 05 एवं मुख्यमंत्री ट्रॉफी के लिए 11 खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इसी तरह वर्ष 2022-23 हेतु शहीद राजीव गांधे पुरस्कार के लिए 04, शहीद कोशल वादन पुरस्कार के लिए 07, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार के लिए 01, शहीद पंकज विक्रम सम्मान 15, शहीद विनोद चौधे सम्मान के लिए 05 एवं मुख्यमंत्री ट्रॉफी के लिए 24 स्पर्धित खिलाड़ियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वर्ष 2021-22 एवं 2022-23 के लिए 97 पुरस्कारार्थी खिलाड़ियों को 76 लाख रूपए की पुरस्कार राशि, पदक विजेता 502 खिलाड़ियों के बैंक खाते में गरा 60.33 लाख रूपए तथा खिलाड़ियों को मिता 01 करोड़ 36 लाख रूपए 33 हजार रूपए की राशि प्रदान की गई। कार्यक्रम में उद्योग मंत्री श्री लखन लाल शर्मा, खाद्य मंत्री श्री दयाल लख शर्मा, कृषि मंत्री श्री रामचरण नेतम, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम विहारी जासवाल, सांसद रायपुर की बुधमोहन अग्रवाल, विधायक सर्व श्री समत अग्रवाल, पुनर्न मिश्रा, गुरु बुधमोहन साहब, प्रभाव सरपंचिनी, मोती लाल साहू, अनुज शर्मा, इन्द्र कुमार साहू, सचिव खेल युवा कल्याण विभाग हामिशरण गुप्ता, खेल संचालक श्रीमती तुनुजा सलाम सहित खिलाड़ियों मौजूद थे।

जंगलपुर का डीजे लखोली में कार्यवाही

कोतवाली पुलिस की सलाहना राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। लालगाव थाना अंतर्गत गांव जंगलपुर का डीजे रात के लखोली में देर रात कोलाहल करते पाए



इन पर कोतवाली पुलिस ने डीजे संचालक के विरुद्ध कार्यवाही की है इस कार्यवाही के साथ पुलिस ने डीजे संचालकों को चेता दिया है कि आगामी तीज त्यौहार गणेश उत्सव आदि में नियम का उल्लंघन करते पाए जाने पर इसी तरह की कार्यवाही जारी रहेगी। पुलिस सूचों के अनुसार 28 अगस्त को राति में लखोली रहवासियों के द्वारा मोबाइल से सूचना दिया। कि लखोली गौतन के पास डीजे संचालक पवनराय साहू पाहा नरेंद्र साह 26 वर्ष साकिन सख्ती मंच के पास जंगलपुर थाना तालगाव विधान राजनांदगांव द्वारा अपने डीआई 207 वाहन क्रमांक सी0300-04 एम.बन्धु-0609 में डी0300 साइड सिस्टम बिना अनुमति के काफ़ी तेज आवाज में बजाया जा रहा है। जिससे आसपास के रहवासियों को काफी परेशानी हो रही है। कि सूचना पर मौका पहुंचकर तटदीक किया जो डी0300 संचालक द्वारा निषिद्ध नियम सीमा के बाद विला प्रशासन के बिना अनुमति के देर राति तक डी0300 साइड सिस्टम को काफी तेज आवाज में बजाना पागे जाने से मौके पर कब्जे से वाहन डीआई 207 क्रमांक सी0300-04 एम.बन्धु-0609 मय डी0300 साइड सिस्टम के जब कर डी0300 संचालक के खिलाफ छगो कोलाहल निरंतर अधिनियम 1985 की धारा 4, 15 के तहत कार्यवाही की गई। आगे भी डी0300 संचालक के खिलाफ आगे भी कार्यवाही जारी रहेगी। उपरीक कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक श्री एमन साहू, उप निरीक्षक रतन सिंह नेतम एवं थाना स्टाफ की सहायनी भूमिका रही।

गृहमंत्री का आश्वासन, एसआई भर्ती का रिजल्ट जल्द होगा सामने

प्रीरज लिबारी रायपुर। एसआई भर्ती में सालों के निर्वाचन को लेकर तथा जल्द भर्ती प्रक्रिया पूरी करने की मांग को लेकर राजधानी रायपुर में डटे अभ्यर्थियों को गृहमंत्री विजय शर्मा ने बौद्धिक कार्यक्रम के माध्यम से बालाची की और उनकी शिकाओं का समाधान किया है। एसआई के अभ्यर्थियों को



2023 तक मुख्य परीक्षा चली, शारीरिक दक्षता परीक्षा 18 जुलाई 2023 से 30 जुलाई 2023 तक हुई और साक्षात्कार परीक्षा 17 अगस्त 2023 से 08 सितंबर 2023 तक आयोजित किया गया। सभी प्रक्रियाएं पूरी हो जाने के बावजूद रिजल्ट अभी तक जारी नहीं किया गया है, जिससे अभ्यर्थियों में निराशा बनी हुई है। गृह मंत्री के आश्वासन के बावजूद अभ्यर्थियों को कहा है कि इससे पहले भी कई बार लापसेट दी गई थी और देवने की बात यह होगी की इस बार क्या होता है।

म्यूनिसिपल स्कूल की दही हांडी गोदिया की टीम ने फाड़ दी

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। श्री कुण्ड जन्माष्टि के शुभ अवसर पर गोविंदा उत्सव समिति के अध्यक्ष वरुण पांडेय ने बताया कि प्रतिवर्षनाम्ना इस वर्ष भी दही लुट का आयोजन किया गया। जिसमें अनेक टीम ने हिस्सा लिया। इसमें इनम की राशि 51 हजार की रखी गयी थी व अन्य सामान पुरस्कार भी रखा गया था। जिसमें छत्तीसगढ़ की विभिन्न जिलों के अलावा महाराष्ट्र से आगे गोविंद की टीम ने मदको फेंकने का प्रयास किया। रायपुर, दुर्ग की टीमों ने काफ़ी मस्कात की। अंततः गोविंद की टीम मदको फेंकने में सफल हुई। इस गोविंदा उत्सव समिति के द्वारा लग 51 हजार रुपए इनाम दिया गया और अन्य टीमों को सामान पुरस्कार दिया गया। इस दौरान ज़ाकंड में काफी उत्साह



के अध्यक्ष योगेश बागडो, पौलु रामा सहित आयोजन के प्रमुख पदाधिकारी वरुण पांडेय, आर्षिक सिंह, जयकिशोर शर्मा, रितु विहारी, रावि साहू, संतोष शर्मा, ज़ख्मलन उर्फमोहल

नेशनल कस्टो टूमीनेट इंडोर में जिले के 9 खिलाड़ियों ने 1 स्वर्ण, 3 रजत, 5 कांस्य पदक जीता

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। इंदोर मध्यप्रदेश के वास्केटबॉल इंडोर स्टेडियम में 16, 17 एम 18 अगस्त को आयोजित चौथे वेस्ट जून नेशनल कस्टो टूमीनेट हेतु विभाग दिनों पिलाई सिंह महिला महाविद्यालय में राज्य स्तरीय चयन प्रतियोगिता का आयोजन छत्तीसगढ़ कराते डू एरोसिशन द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 400 खिलाड़ियों ने भाग लिया और अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर जिले के 2 खिलाड़ियों को 13 साल कुमिने -40 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -55 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -60 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -65 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -70 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -75 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -80 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -85 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -90 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -95 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -100 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -105 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -110 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -115 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -120 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -125 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -130 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -135 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -140 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -145 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -150 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -155 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -160 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -165 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -170 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -175 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -180 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -185 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -190 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -195 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -200 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -205 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -210 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -215 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -220 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -225 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -230 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -235 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -240 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -245 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -250 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -255 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -260 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -265 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -270 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -275 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -280 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -285 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -290 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -295 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -300 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -305 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -310 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -315 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -320 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -325 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -330 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -335 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -340 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -345 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -350 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -355 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -360 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -365 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -370 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -375 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -380 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -385 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -390 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -395 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -400 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -405 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -410 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -415 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -420 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -425 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -430 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -435 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -440 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -445 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -450 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -455 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -460 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -465 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -470 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -475 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -480 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -485 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -490 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -495 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -500 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -505 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -510 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -515 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -520 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -525 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -530 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -535 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -540 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -545 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -550 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -555 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -560 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -565 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -570 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -575 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -580 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -585 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -590 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -595 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -600 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -605 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -610 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -615 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -620 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -625 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -630 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -635 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -640 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -645 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -650 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -655 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -660 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -665 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -670 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -675 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -680 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -685 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -690 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -695 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -700 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -705 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -710 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -715 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -720 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -725 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -730 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -735 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -740 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -745 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -750 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -755 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -760 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -765 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -770 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -775 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -780 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -785 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -790 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -795 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -800 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -805 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -810 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -815 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -820 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -825 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -830 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -835 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -840 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -845 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -850 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -855 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -860 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -865 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -870 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -875 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -880 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -885 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -890 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -895 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -900 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -905 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -910 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -915 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -920 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -925 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -930 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -935 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -940 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -945 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -950 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -955 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -960 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -965 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -970 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -975 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -980 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -985 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -990 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -995 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1000 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1005 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1010 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1015 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1020 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1025 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1030 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1035 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1040 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1045 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1050 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1055 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1060 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1065 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1070 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1075 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1080 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1085 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1090 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1095 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1100 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1105 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1110 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1115 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1120 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1125 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1130 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1135 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1140 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1145 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1150 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1155 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1160 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1165 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1170 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1175 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1180 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1185 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1190 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1195 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1200 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1205 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1210 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1215 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1220 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1225 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1230 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1235 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1240 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1245 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1250 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1255 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1260 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1265 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1270 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1275 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1280 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1285 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1290 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1295 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1300 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1305 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1310 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1315 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1320 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1325 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1330 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1335 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1340 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1345 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1350 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1355 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1360 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1365 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1370 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1375 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1380 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1385 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1390 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1395 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1400 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1405 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1410 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1415 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1420 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1425 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1430 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1435 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1440 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1445 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1450 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1455 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1460 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1465 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1470 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1475 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1480 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1485 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1490 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1495 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1500 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1505 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1510 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1515 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1520 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1525 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1530 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1535 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमिने -1540 कि.ग्रा. रजत पदक, 13 साल कुमि

ज्ञान मंथन

- 1) हाल ही में खबरों में रही औरगुटान कूटनीति किस देश से संबंधित है?
- 2) गोल किस महान खिलाड़ी का आत्मकथा है?
- 3) पहली महिला ने दुनिया की सैर की-
- 4) पिक नदी किस देश में स्थित है?
- 5) हाल ही में एम. मोहन का निधन हुआ है, वे कौन थे?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)



उत्तर माला

- (1) मलेशिया (2) मेजर ध्यानचंद (3) जैनी वेरोल (4) कनाडा (5) फिन्च निर्देशक

योगिता साहू के जन्मदिन पर आंगनबाड़ी केंद्र एवं प्राथमिक शाला स्कूल खेलों में फल वितरण



आयुक्त ने ली तकनीकी अधिकारियों की बैठक



विद्युत व्यवस्था टुकटन करने के अलावा अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें। बैठक में आयुक्त श्री गुप्ता ने पेयजल सप्लाई के बारे में पचा कर शहर में स्थित पानी टैंकों को भरने की उप अभियानों से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी टैंकों क्षमता के अनुरूप भर और टैंकों भरने के उपरांत ही पेयजल सप्लाई शुरू करें तथा कुछ क्षेत्रों में कम पानी आने की शिकायत का निराकरण करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वर्तमान में बांधा खुल रही है, जिसमें पानी की खपत कम होती है इस आधार पर कम पानी आने वाले क्षेत्रों को चिह्नित कर व्यवस्था टुकटन करें। आवश्यक बहने वाले सार्वजनिक नल को काटा जाये,पुर्व में नल काटा जा रहा था किन्तु वर्तमान में सार्वजनिक नल काटने की गति धीमी हो गयी है सर्वे कर नल काटने में तेजी लावे, जिससे पर्याप्त पेयजल सप्लाई हो सके। उन्होंने बिछली अंडर बिज निर्माण के दौरान आ रही पाईप लाइन के कार्य का जल्द समाधान करने के निर्देश दिये।

निधन

सुपरी यश

राजनंदगांव (नांदगांव टाइम्स)। डोंगराव के समीप ग्राम सलीनी निवासी श्रीमती रामेश्वरी गंगा पति राजू गंग का विगत दिनों अकालिक निधन हो गया। जिसका आंश संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया, निधन बड़ी संख्या में परिवार, समाज के गणमान्य नामों एवं ग्रामवासी शामिल हुए। श्रीमती रामेश्वरी अपने पिछे पति राजू गंग, पुत्र डेन कुमार, पुत्री मोनिका सहित भगपुर परिवार छोड़ गयी।

मेजर ध्यानचंद जयंती (खेल दिवस) उत्साहपूर्वक मनाया गया



राजनंदगांव (नांदगांव टाइम्स)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग एवं जिला हॉकी संघ राजनंदगांव तथा समस्त खेल संघ के संयुक्त प्रयासों में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की जयंती खेल दिवस के रूप में नगर के खेल प्रेमियों द्वारा बड़ा उत्साहपूर्वक मनाई गई इस अवसर पर सुबह 7:00 बजे अनारस्टीज हॉकी स्टेडियम से समस्त खेल संघ के बड़े खिलाड़ियों द्वारा रैली निकाली गई जो विभिन्न मार्गों से होती हुई गौरव पथ स्थित मेजर ध्यानचंद स्मारक पहुंची वहां पर मेजर ध्यानचंद, एमन डेस्टिन, (ओरिपिन) एवं आए एन पटेल, कि प्रतिभा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर ब्रह्मासुप्त अर्पित किया गया तत्पश्चात रैली वापस अनारस्टीज हॉकी स्टेडियम पहुंची वहां पर संपीठी सभा का आयोजन किया गया। संपीठी सभा छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष श्रीजो अंसारी के मुख्याध्यक्ष तथा जिला हॉकी संघ के सचिव शिवनारायण धकेला, नीलम वैजं,बिहारी हॉकी कोच धूपण साहू,दिव्यजय स्टेडियम के प्रबंधक रणवीर प्रसाद सिंह,छत्तीसगढ़ हॉकी के कोषाध्यक्ष सुशी आशा धामस के विशेष आतिथ्य में सम्पन्न



हु। अतिथि श्री प्रिंजो अंसारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि कई जी बच्चे आज इस खेल से जुड़े हैं वो अपने जीवन में एक लक्ष्य बना कर खेलें जिससे कि वह अपने खर को नाम पूरे देश में रोलान करेगे उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद जी को आदर्श मानकर खेल पारना से खेलें तथा खप एवं प्रशिक्षण कर पर हॉकी नर्सरी का नाम रोलान करें। श्री अंसारी ने कहा कि आज टाटा के कारण राजनंदगांव को हॉकी नर्सरी कहा जाता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दिव्यजय स्टेडियम के प्रबंधक रणवीर प्रसाद सिंह ने कहा कि मेजर ध्यानचंद जी का आगमन सन 1971 में राजनंदगांव की धरती पर हुआ था। हॉकी की नर्सरी की उपाधि राजनंदगांव के मेजर ध्यानचंद जी द्वारा दी गई थी तथा उनको नगर भूषण कराया गया था जहां उन्हें राजनंदगांव के हर गली में हॉकी खेलते बच्चे को देखा था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हॉकी कोच श्री भूषण साहू ने दादा ध्यानचंद जी के जीवन पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि दादा को खेल कौशल की बढीलत भारत को ओलंपिक में 4 गोल्ड प्राप्त हुए थे। तथा वर्तमान में भी हॉडवा टीम



के खिलाड़ियों के अन्धे प्रदर्शन के बढीलत लगातर दूसरी बार कांस्य पदक प्राप्त कर रहे हैं यह बहुत ही खुरी को बात है मैं उन्हें इस मंच के माध्यम से बधाई देता हूं साथ ही अपने खपे सभ में मेजर ध्यानचंद जी के नाम से बच्चे को खेल पारना से खेलें तथा खप एवं प्रशिक्षण कर पर हॉकी नर्सरी का नाम रोलान करें। श्री अंसारी ने कहा कि आज टाटा के कारण राजनंदगांव को हॉकी नर्सरी कहा जाता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दिव्यजय स्टेडियम के प्रबंधक रणवीर प्रसाद सिंह ने कहा कि मेजर ध्यानचंद जी का आगमन सन 1971 में राजनंदगांव की धरती पर हुआ था। हॉकी की नर्सरी की उपाधि राजनंदगांव के मेजर ध्यानचंद जी द्वारा दी गई थी तथा उनको नगर भूषण कराया गया था जहां उन्हें राजनंदगांव के हर गली में हॉकी खेलते बच्चे को देखा था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हॉकी कोच श्री भूषण साहू ने दादा ध्यानचंद जी के जीवन पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि दादा को खेल कौशल की बढीलत भारत को ओलंपिक में 4 गोल्ड प्राप्त हुए थे। तथा वर्तमान में भी हॉडवा टीम

डीईओ और सहायक संचालक के हवाले स्वामी आत्मानंद स्कूल

राजनंदगांव (नांदगांव टाइम्स)। स्वामी आत्मानंद स्कूलों के संचालन एवं प्रबंधन हेतु कैबिनेट के निर्णय दिनांक 13 मई 2020 के उपरांत एक समिति का गठन किया गया है, जिसे पंजीकृत भी कराया गया है और सभी पंजीकृत समिति स्वामी आत्मानंद स्कूलों का संचालन एवं प्रबंधन करती है, जिसके पदेन अध्यक्ष कलेक्टर होते हैं, जिसके पदेन सचिव जिला शिक्षा अधिकारी होते हैं, मुख्य कार्यपालन अधिकारी और आयुक्त नगर पालिक निगम सदस्य होते हैं।



छत्तीसगढ़ रैंडरस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष किशोर पोल ने कलेक्टर को सभी ज्ञापन में दस्तावेज साक्ष्य देकर यह आरोप लगाया है कि राजनंदगांव जिले में संचालित स्वामी आत्मानंद स्कूलों का संचालन डीईओ अथवा जलसमल और सहायक संचालक आदित्य खरे कर रहे हैं, क्योंकि इन दोनों अधिकारियों के द्वारा ही इन स्कूलों में शासन द्वारा नियुक्त प्राध्याप, व्याख्याओं को हटाया जा रहा है, संलग्न किया जा रहा है, जबकि आत्मानंद स्कूलों को संचालित करने पंजीकृत समिति जिले में निष्क्रिय है, इसलिए कलेक्टर

पॉल ने दुरा कर्मिणर और संयुक्त संचालक को बताया है कि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय राजनंदगांव में एक गिरिह सफ़िन है, जो यह काम कर रहा है और इस गिरिह पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज किया जाना चाहिए है, अन्यथा यह गिरिह सुनिश्चित हो से बच्चों के जीवन व भविष्य के साथ खिलवाव करते रहेंगे। श्री पॉल ने डीपीआई को बताया कि शासन के नियमानुसार शासन द्वारा नियुक्त व्याख्याताओं को डीईओ और सहायक संचालक नहीं हटा सकते, बावजूद इसके जिले में दो अधिकारी यह काम कर रहे हैं, और जिले में पदस्थ बड़े अधिकारी अपने स्वामी आत्मानंद स्कूलों में इन दोनों अधिकारियों को मसामा की रोक नहीं पा रहे हैं, जो विनाश का विषय है। कलेक्टर, सीईओ और निगम कर्मिणर स्वामी आत्मानंद स्कूलों के पंजीकृत समिति में विमदेय अधिकारी होते हैं, लेकिन डीईओ और सहायक संचालक इन स्कूलों को मसामा हो से संचालित कर रहे हैं, जो समुद्र से परे है कि स्वामी आत्मानंद स्कूलों को प्रबंध और संचालन करने वाली पंजीकृत समिति कहें हैं।

गांव में रोज बिजली कटौती एसडीएम को ज्ञापन



राजनंदगांव (नांदगांव टाइम्स)। जिले के डोंगराव विकासखंड क्षेत्र के गांव में रोज अथवा आए दिन अघोषित बिजली कटौती और लो वोल्टेज से क्षेत्रवासियों परेशान है। भीषण उन्हा और गर्मी के चलते घाटो में भी कूलर चलाने पड़ रहे हैं। दिनभर खेतों में काम करके किसान मजदूर आए स्रोत हैं उन्हें आराम और थोड़े कूलर की हवा को हासिल करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में लाइट गुल की स्थिति के कारण बीमार पड़ना पड़ रहा है। नैट पूरे नहीं हो रही है थकान नहीं मिट रही है दूरे दिने पिछे खेतों में काम करना पड़ रहा है। यह विवेक स्थिति गांव को ग्राम बाहियों की सरकार से सख्त नाराज कर रही है। ऐसी स्थिति में ग्रामीण उठा आंदोलन के लिए तालम बंद हो रहे हैं। जिला कमिश्नर को सख्त अग्रह मदन साहू ने बताया कि डोंगराव विकासखंड के अंतर्गत आने वाले सभी गांव में आवे दिन अघोषित बिजली कटौती व लो वोल्टेज तथा अनेक बिजुत समस्याएं हो रही हैं। जिसके चलते तुमहीदो क्षेत्र बहुत ज्यादा प्रभावित हो रहा है एवं आमजनता को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इन सभी समस्याओं को जल्द से जल्द निराकरण करने की बात कही गई है। इस दौरान तुमहीदो बजार से प्रदर्शन करते हुए बिजली ऑफिस का घेराव किया गया। इसी दौरान मुख्यमंत्री विमलेंद्र साहू का पुराला दहन भी किया गया। इस दौरान ब्यांस एमएलएसआई के नेतृत्व में बिजली कमिश्नर के पोराय में डोंगराव के ब्लाक कांसिस कमेटी के अध्यक्ष चेतन साहू, जिला कमिश्नर कांसिस अध्यक्ष मदन साहू, जिला पंचायत सदस्य महेन्द्र साहू, जिला अध्यक्ष एन एस यू आई अमर झा, प्रदेश सचिव एन एस यू आई आदित्य भैरव, जिला प्रमुख एन एस यू आई बालदेव साहू, विभागाध्यक्ष एन एस यू आई जयनंद निमलकर, ब्यास अध्यक्ष एन एस यू आई धनराय साहू, सहायक साहू एवं ब्यास अध्यक्ष, नवीन वामी, गिरधर साहू, बंटी, राजेश कुमार, किशन कुमार, पुनमदेव साहू, राकेश, रेवामा, तारादेव, तुलेश साहू, दिलीप रामकुमार पटेल, शिव कुमार साहू, परमादेव साहू, तोमेश यादव सहित ग्रामीण जन उपस्थित थे।

पड रहा है। इन सभी समस्याओं को जल्द से जल्द निराकरण करने की बात कही गई है। इस दौरान तुमहीदो बजार से प्रदर्शन करते हुए बिजली ऑफिस का घेराव किया गया। इसी दौरान मुख्यमंत्री विमलेंद्र साहू का पुराला दहन भी किया गया। इस दौरान ब्यांस एमएलएसआई के नेतृत्व में बिजली कमिश्नर के पोराय में डोंगराव के ब्लाक कांसिस कमेटी के अध्यक्ष चेतन साहू, जिला कमिश्नर कांसिस अध्यक्ष मदन साहू, जिला पंचायत सदस्य महेन्द्र साहू, जिला अध्यक्ष एन एस यू आई अमर झा, प्रदेश सचिव एन एस यू आई आदित्य भैरव, जिला प्रमुख एन एस यू आई बालदेव साहू, विभागाध्यक्ष एन एस यू आई जयनंद निमलकर, ब्यास अध्यक्ष एन एस यू आई धनराय साहू, सहायक साहू एवं ब्यास अध्यक्ष, नवीन वामी, गिरधर साहू, बंटी, राजेश कुमार, किशन कुमार, पुनमदेव साहू, राकेश, रेवामा, तारादेव, तुलेश साहू, दिलीप रामकुमार पटेल, शिव कुमार साहू, परमादेव साहू, तोमेश यादव सहित ग्रामीण जन उपस्थित थे।

ग्राम उपरवाह में पोट्टे लईका पहल के तहत कमरछत ल्योहार से जोड़ते हुए बच्चों के सुपोषण के प्रति किया गया जागरूक

राजनंदगांव (नांदगांव टाइम्स)। जिला प्रशासन द्वारा चलाये जा रहे पोट्टे लईका पहल अभियान अंतर्गत परिवोजना राजनंदगांव ग्रामीण-2 के ग्राम उपरवाह में कमरछत ल्योहार से जोड़ते हुए बच्चों के सुपोषण के प्रति नागरिकों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर कमरछत ल्योहार में प्रचलित काननी के माध्यम से कुपोषण को राक्षस बताया गया और कुपोषण से लड़ने के लिए 6 प्रकार के अनाज, 6 प्रकार की भाजी का चित्र करते हुए हिराग्राहियों को सुपोषण के संबंध में समझाया गया। सुपोषण धाली में तिरंगा धोजन के मखल को बताया गया। इस अवसर पर अरार, मुंग, उड़द, आलू एवं मूना, पालक, लाल भाजी, मीठे एवं अन्य पस व पौष्टिक आहार लेने के लिए कहा गया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के नेतृत्व तथा जिला पंचायत सीसीओ सुमेश सिंह के निदेश में पोट्टे लईका पहल अभियान अंतर्गत सभी मिताशन और एनएएम में भी सहयोग कर 29 अनाज को आयोजित कुमि दिवस को निदेशन दी। इस तरह राजनंदगांव ग्रामीण 2 सेक्टर बचोरा केन्द्र नगाव। में पोट्टे लईका पहल के तहत पालक चोपाल का आयोजन किया गया। जिसमें डावरीया रोकथाम, कृषि मुक्ति के बारे में चर्चा की गई और हाथ धुलाई से 5 चरण का अभ्यास कराया गया। खेलेखाने है कि जिला प्रशासन द्वारा पोट्टे लईका पहल अभियान अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

शासकीय कमलादेवी राठी महिला सातकोर महाविद्यालय में खेल दिवस का आयोजन

राजनंदगांव (नांदगांव टाइम्स)। शासकीय कमलादेवी राठी महिला सातकोर महाविद्यालय, राजनंदगांव में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें संरक्षक प्रोफेसर अधिकारी डॉ. नीता एस. नायर ने छात्रों को मेजर ध्यानचंद की उपलब्धियों को जानकारी दी एवं खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक मिश्र ने खेलों की जीवन का आवश्यक अंग बताया एवं छात्रों को अधिक से अधिक संख्या में खेलों में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रिंसिपल अंसारी, संयुक्त प्रिंसिपल डॉ. डी.डी. साहू एवं अध्यक्ष डा. हॉकी संघ एवं विशिष्ट अतिथि सलित साहू, उपनिवेशक पीटीएस, राजनंदगांव एवं वीरेंद्रजी कोच राहुत साहू उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीता एस. नायर



कोडीधिकारी द्वारा किया गया एवं उन्होंने खेल को लेकर लोगों को मार्गसिका एवं जमीनी स्तर पर खेलों की बहाली देते हुए उचित काम करने पर जोर दिया। साथ ही सभी छात्रों को सपर्यटनवा कि अपने आप

को स्वस्थ रखने के लिए किसी न किसी खेल को अपनाएं। प्रिंसिपल अंसारी ने मुख्य अतिथि ने मेजर ध्यानचंद जी के उपलब्धियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं छात्रों को अधिक से अधिक संख्या में खेलों में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रिंसिपल अंसारी, संयुक्त प्रिंसिपल डॉ. डी.डी. साहू एवं अध्यक्ष डा. हॉकी संघ एवं विशिष्ट अतिथि सलित साहू, उपनिवेशक पीटीएस, राजनंदगांव एवं वीरेंद्रजी कोच राहुत साहू उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीता एस. नायर

धर्म समाचार....



दिन देवों के देव महादेव संग मां पार्वती की पूजा की जाती है। साथ ही त्रयोदशी तिथि पर प्रदोष व्रत रखा जाता है। इस व्रत के पुण्य-प्राप्त से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। साथ ही जीवन में सुखियों का आगमन होता है। प्रदोष व्रत का फल दिन अनुसार प्राप्त होता है। शनि प्रदोष व्रत करने से जीवन में व्याप्त सभी दुखों एवं संकट दूर हो जाते हैं। अगर आप भी अपने जीवन में व्याप्त दुख एवं संकट से निजात पाना चाहते हैं, तो शनि प्रदोष व्रत पर विश्व-विश्वास से विश्व-शक्ति को पूजा करें। जहाँ, जहाँ, पूजा के समय दशरथकृत शनि स्तोत्र का पाठ अवश्य करें।

दशरथकृत शनि स्तोत्र
राशिगं येदित्थि न तु गनयन् कदाचन ।
सहितः स्यादा यथावयन्कदाचनमिदं ।
यत्किं तु महर्षिर्न । नःपुन्यंयथायथा ।
एकमनुश्लिष्योक्तं बालक्येन तु शाकम् ।
प्रायेयं वं वरं राजा कदाचनोऽभवत् ।
पुनःकाऽब्रवीच्छुभं वरं वामं सुव्रत ।
नमो न्यासी शितिकण्ठ निपाय च ।
नमो निमरी देहाय शीघ्रमरुज्जय च ।
नमो विश्वानेत्राय शुक्रोदर भयानक ।
नमो पुष्कलगात्राय स्थूलतरोम्येव वै नमः ।
नमो दीनघ्न शुक्राय कालद्वेष्ट नमोऽस्तु ते ।
नमस्ते कोटशतानि दुरीत्यथ वै नमः ।
नमो घोराय रौद्राय भीषणाय कालनि ।
नमस्ते सर्वपाप बलीपुत्र नमोऽस्तु ते ।

शनि प्रदोष पर पूजा के समय करें दशरथकृत शनि स्तोत्र का पाठ, आर्थिक तंगी से मिलेगी निजात

सूर्यवृत्त नमस्तेऽस्तु भास्वरोऽभवत्तव च ॥
अथोदितः नमस्तेऽस्तु सर्वतक नमोऽस्तु ते ।
नमो मर्यादा तुष्यं निर्विशेष नमोऽस्तु ते ।
तत्सव दण्ड-दण्डेन नित्यं योरायव च ।
नमो निष्यं शुभायैव अग्रहात च वै नमः ॥
जानकशुभमस्तेऽस्तु करपापासव-सुखे ।
तुष्टे ददासि हे राज्यं राक्ष हरित तन्मत्तम् ॥
दण्डयन्तुपुण्यं सिद्ध-विशारदभारतम् ॥
ललात त्रिनेत्रिकांतः सर्वं नाम यजित् समस्तः ॥
प्रणव कुरु मे सौम्य । शारदी भव भास्वरः ॥
हृत् स्तुतवन्मस्ति स्तिरहोरात्रो महाबलः ॥

दशरथ उवाचः-
प्रस्तो वरि मे सौरि । वरं देहि ममोत्तमम् ।
अथ प्रसूति-पिपासा । पीडा देवा न कस्यचित् ॥

शनि स्तोत्र
हे जगन्मयबाले, हे नील कण्ठ वाले ।
कालानि रूप वाले, हल्के शरीर वाले ।
शुक्रो नमन मेरे, शनिदेव हम तुम्हारे ।
समने सुकन मेरे, शनिदेव हम तुम्हारे ।
शुक्रो नमन मेरे, शुक्रो नमन मेरे ।
हे दही-मूली वाले, लकड़ी चूल्हों वाले ।
हे बंभू त्रे वाले, लकड़ीदार निजाले ।
भय आकृति तुम्हारे, सब पापियों को मारे ।
शुक्रो नमन मेरे, शुक्रो नमन मेरे ।
हे पूरु देहधारी, स्थूल-रंग वाले ।
कोटर मुनेन वाले, हे बड़े देह वाले ॥

तुम ही सुशर दिलाते, सीमाय के सितारे ।
शुक्रो नमन मेरे । शुक्रो नमन मेरे ।
हे चोर रीत रूप, भीषण कपालि भूषा हे नमन सर्वभो बलिभुज शनी अनूपा ।हे भक्तों के सहाय, शानि ।सब हकाले तैरे ही पुण्य चरण तैरे ।
शुक्रो नमन मेरे । शुक्रो नमन मेरे ।
हे अयो दृष्टि वाले, हे विश्वमय यक्षस्त्री ।
विश्वमय अर्ध अश्वि सब कुछ तू ही निभाते ।
शुक्रो नमन मेरे । हे पुण्य देव मेरे ।
अतिथि खट्वाधारी, हे भद्ररति सुपारी ।
तुल-दण्ड-देहधारी, शनि योगरत अपारी ।
संकट विकट हटा दे, हे महातेज वाले ।
शुक्रो नमन मेरे । शुक्रो नमन मेरे ।
निर्वाग्रसुपाय में रह हो, अशुभि में निरत हो ।
हे पुन्यमन जगत में, अत्यंत करुणा न हो ।
हे ज्ञान जने वाले, पावन प्रकाश वाले ।
शुक्रो नमन मेरे । शुक्रो नमन मेरे ।
जिस पर प्रसन्न दृष्टि, वैभव सुख की वृष्टि ।
वह जग का राज्य पाये, सदात न कहाये ।
उत्तम स्वभाव वाले, तुमसे तिमिर उजाले ।
शुक्रो नमन मेरे । शुक्रो नमन मेरे ।



हो वक्र दृष्टि जिसपर, तक्षण विनष्ट होता ।
मित्र उल्लिखनस्यता, हो के विचारो रीता ।
दुखे न भक्त-नीत्या तत्परा दे बचा ले ।
शुक्रो नमन मेरे । शुक्रो नमन मेरे ।
हो मुन्यनाम उक्ता, दुर्दृष्टि होती विषय पर ।
हो देव असुर नमन, हो सिद्ध या विषय पर ।
देकर प्रसन्ता प्रभु अपने चरण लगा ले ।
शुक्रो नमन मेरे । शुक्रो नमन मेरे ।
होकर प्रसन्न हे प्रभु । कदात नही दीवै ।
बजरंग भक्त हो तुम्हारे ।
सब प्रहों के स्वामी अनाम विदर बचाले ।
शुक्रो नमन मेरे । शुक्रो नमन मेरे ।

